कवच एवं चुनरी श्रीफल के स्थापना एवं विसर्जन के नियम

1. दरबार से जो भी कवच, चुनरी या श्रीफल आपको प्राप्त होता है, उसके निमित्त आप समझ लेवे की पूर्व में रखे हुए कोई कवच चुनरी या श्रीफल को बदलने के लिए आपको दिया गया है या फिर नया कवच है

2. अगर नया कवच है तो उसकी स्थापना विधि, स्थापना का दिन, मंत्र उच्चार, आदि समझ ले।

3. और अगर पूर्व में दिए हुए कवच को बदलने के लिए दरबार से कोई नया कवच, चुनरी या श्रीफल मिला है, तो ध्यान रखें पहले दरबार से दिए हुए कवच को स्थापित करना है, उसके बाद ही पूर्व में दिए गए कवच चुनरी से श्रीफल को विसर्जन के लिए स्थान से हटाना है ।

4. कोई भी चुनरी श्रीफल या कवच अगर बदलने के लिए है तो, दिए हुए समय पर पहले नए कवच की स्थापना करें।

5. फिर 3.5 घंटे में, पूर्व में स्थापित कवच को अपनी जगह से हिला कर या उठाकर दूसरे स्वच्छ स्थान पर रख देवें एवं अगले 3 दिनों में उसको बहते हुए पानी में प्रवाहित कर दें, या फिर मंदिर में अर्पण कर दें।